रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला

राजभाषा विभाग

" कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर बानी " यह पंक्ति विविधताओं से भरे भारतवर्ष पर सार्थक सिद्ध होती है। विभिन्न बोलियों और भाषाओं के पुष्पों से निर्मित सम्प्रेषण माला भारत को एक अनोखा और आकर्षक रूप प्रदान करती है। इन विविध भाषा रूपी पुष्पों को माला रूप देने के लिए भारत सरकार ने हिंदी भाषा को सूत्र का कार्य भी सौंपा है। इस सूत्र को कारगर और सक्षम बनाने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग संविधान में राजभाषा के संबंध में वर्णित अनुच्छेदों के उद्देश्य को ध्यान में रखकर वार्षिक कार्यक्रम एवं नीति-नियम इत्यादि बनाता है जिसे कार्यान्वित करने के लिए प्रत्येक सरकारी कार्यालय में एक राजभाषा विभाग स्थापित किया जाता है।

रेल भारतवर्ष की जीवनधारा है। यात्रियों तथा माल को एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने के कार्य में जुटी रेलें भारतीय परिवहन तंत्र का एक बड़ा हिस्सा हैं। वर्ष 1985 में पंजाब के कपूरथला जिले के हुसैनपुर स्टेशन के समीप एक रेल कोच फैक्टरी की स्थापना की गई जो न केवल भारतवर्ष बल्कि दूसरे देशों के लिए भी सवारी डिब्बों का निर्माण कर भारतीय आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में अपना योगदान दे रही है।

इस कारखाने में वर्ष 1994 में राजभाषा विभाग की स्थापना की गई और इस समय राजभाषा विभाग के मुख्य राजभाषा अधिकारी का कार्य श्री आलोक दवे, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर देख रहे हैं। श्री विनोद कटोच, राजभाषा अधिकारी हैं जो सहायक सचिव (सामान्य) का भी कार्य कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में एक राजभाषा अधीक्षक,एक राजभाषा सहायक, एक कार्यालय अधीक्षक तथा एक स्टेनोग्राफर है।

राजभाषा विभाग का मुख्य कार्य भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन, कर्मचारियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण तथा हिंदी अनुवाद की सेवाएं प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के द्वारा राजभाषा को लोकप्रिय बनाने में प्रयासरत है।

राजभाषा के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने और लोकप्रिय बनाने के लिए अधिकारी और कर्मचारी स्तर पर प्रयास किए जाते हैं। अधिकारी और कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रूचि पैदा करने के लिए 03 हिंदी पुस्तकालय भी खोले गए हैं। राजभाषा विभाग द्वारा इन पुस्तकालयों के साथ-साथ लाला लाजपत राय अस्पताल, रेल सुरक्षा बल बैरेक तथा वेस्ट कॉलोनी क्लब में खोले गए पुस्तकालयों के लिए भी हिंदी पुस्तकें तथा पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।